एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 06 (नवम्बर-दिसम्बर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

पशुओं में जोहनीज रोग

(*नवीन कुमार, प्रियंका सहारण, किरण कुमार, प्रमोद यादव, सरीन कम्बोज एवं रौनक कादयान)
लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा-125004
*संवादी लेखक का ईमेल पता: nknaveen420116@gmail.com

रोग का कारण

पशुओं में जोहनीज रोग, जिसे पैराट्यूबरकुलोसिस भी कहा जाता है, एक लंबे समय तक होने वाला संक्रामक रोग है जो गोजातीय पशुओं के अलावा भेड़, बकरी और अन्य पशुओं में भी पाया जाता है। इस रोग का कारण माइकोबैक्टेरियम पैराट्यूबरकुलोसिस (*Mycobacterium paratuberculosis*) नामक जीवाणु है। इस रोग में संक्रमण के लक्षण लंबे समय तक दिखाई देते हैं, जैसे कि भेड़-बकरियों में एक साल बाद और गाय-भैंस में 2 से 3 साल बाद। संक्रमित पशु के गोबर में जीवाणु होते हैं, जो चारे पानी के माध्यम से स्वस्थ पशु में फ़ैल सकते हैं। नवजात बच्चों में भी संक्रमण हो सकता है, जो दूध और मादाओं के माध्यम से हो सकता है। एक बार डेयरी फार्म में संक्रमण होने के बाद, इससे मुक्ति पाना कठिन है और इससे बड़े आर्थिक नुकसान हो सकता है, जैसे कि रोग उत्पावन, गोश्त रिजेक्शन और जानवरों और उनके उत्पादों के व्यापार पर प्रतिबंध।

लक्षण

इस रोग के लक्षण महीनों में विकसित होते हैं और पशुओं में वजन में कमी, दूध की कमी, रुक-रुक कर पतले दस्त, शारीरिक दुर्बलता और मांसपेशियों में क्षरण जैसे होते हैं। दस्त में मल पतला, बदबूदार, अत्यधिक म्यूकस तथा हवा के बुलबुले होते हैं। रोगी पशु के मरणोपरांत जांच के दौरान आंतों की सूजन और फोल्ड देखे जा सकते हैं।

निदान

जॉन्स रोग का निदान ऐसे लक्षणों पर आधारित किया जा सकता है जैसे कि लम्बे समय तक तटस्थ पेचिश और वजन कमी जैसे अन्य अप्रत्यक्ष साक्षात्कार। हालांकि, बीमारी की पुष्टि के लिए विशेष प्रयोगशाला परीक्षण, जॉन्स स्किन टेस्ट और मल और ऊतक के सैम्पल्स का पीसीआर परीक्षण जैसे परीक्षणों की आवश्यकता है। बीमारी की उपस्थिति की पुष्टि के लिए पशु स्वास्थ्य विभाग या पशुचिकित्सकों से संपर्क करना बहुत आवश्यक है।

नियंत्रण

जोहनीज रोग का उपचार अप्रभावी है और इसलिए संक्रमित पशु की पहचान और अलग करना रोग की नियंत्रण और बचाव का सबसे उत्तम तरीका है। डेयरी फार्म में एक बार संक्रमण होने के बाद, नए पशुओं को शामिल करने से पहले रोन परीक्षण करवाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष में कम से कम 2 बार सभी पशुओं का परीक्षण करवाना चाहिए और विभिन्न आयु वर्गों के लिए पशु बाड़े की व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही, पशु बाड़ों की सफाई और जीवाणु प्रतिरोधी औषधियों का सही उपयोग करना भी आवश्यक है।

सारांश

पशुओं में जोहनीज रोग एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिससे होने वाले आर्थिक नुकसान को देखते हुए हमें इसके बचाव और नियंत्रण के लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिए। समय रहते सही जानकारी, परीक्षण, और नियंत्रण के उपायों का अनुसरण करने से हम इस स्वास्थ्य समस्या का सामना कर सकते हैं और पशुओं को स्वस्थ रख सकते हैं।